

02 $\frac{3}{21}$

2016
00167

पत्रावली वेद्य हरी अखिरपत्त वादीगय
अनुपारचित। रन्क - रन्क कर कई बार
आवाज लावाके पर भी अखिरपत्त वादीगय
एके वादीगय स्वयं उपारचित नहीं हुए। अतः
प्रकरण अरम हाजरी, अरम पैरवी मे बवारीज
किमा जाता है। पत्रावली केवल शुमार होकर
बम्बर ले काम है।



।
(श्याम सुन्दर विश्वादे)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (राज.)